A–0298

Total Pages : 3 **Roll No. .....**

DPJ-104

Diploma in Phalit Jyotish (DPJ)

(मुहूर्त विचार)

Examination, June 2025

Time : 2:00 Hrs. Max. Marks : 100

नोट :— यह प्रश्न-पत्र सौ (100) अंकों का है, जो दो (02) खण्डों 'क' तथा 'ख' में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है। ***परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर-पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।***

खण्ड–क

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न) (2×26=52)

नोट :— खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए छब्बीस (26) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **दो** (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. भारतीय संस्कृति में मुहूर्तों को क्यों आवश्यक माना जाता है ? विस्तृत निबंध लिखिए।

2. संस्कार का अर्थ स्पष्ट करते हुए मानव जीवन में उपयोगिता सिद्ध कीजिए।

3. विद्यारम्भ मुहूर्त पर प्रकाश डालते हुए विस्तार से उल्लेख कीजिए।

4. किन्हीं **दो** संस्कारों का परिचय देते हुए महत्व को भी परिभाषित कीजिए।

5. जातकर्म संस्कार का उल्लेख करते हुए वैज्ञानिकता सिद्ध कीजिए।

खण्ड–ख

(लघु उत्तरीय प्रश्न) (4×12=48)

नोट :— खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए बारह (12) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **चार** (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. पुंसवन संस्कार का परिचय दीजिए।

2. गर्भाधान संस्कार क्यों आवश्यक है ? उल्लेख कीजिए।

3. चूड़ाकर्म संस्कार की वैज्ञानिकता क्या है ? विवेचन कीजिए।

4. मुहूर्त में लग्न शुद्धि की आवश्यकता का विचार कीजिए।

5. गृहप्रवेश विधि का वर्णन कीजिए एवं मुहूर्त पर प्रकाश डालिए।

6. तात्कालिक मुहूर्तों की भूमिका का वैज्ञानिक विश्लेषण कीजिए।

7. दुकान खोलने के मुहूर्त पर प्रकाश डालिए।

8. राहुकाल की स्थिति स्पष्ट करते हुए विस्तृत विवेचन कीजिए।

****